हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 182 देहरादून, शनिवार, 07 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों ने एफआरआई में किया मंथन 3

पलायन रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीके से व्यापक कार्य योजना बनाई जाए : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पलायन को रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीके से व्यापक कार्य योजना बनाई जाए। पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों की आजीविका में तेजी से वृद्धि हो उसके लिए भी व्यापक स्तर पर कार्य योजनाएं बनानी होंगी। सरकार द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों में लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों की आजीविका वृद्धि के साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

उद्योग, पर्यटन, कृषि, बागवानी को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग रिवर्स पलायन कर राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में स्वरोजगार के साथ ही अन्य लोगों को भी स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं, ऐसे लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए गांवों पर केन्द्रित योजनाओं पर विशेष ध्यान दिये जाने की जरूरत बतायी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के संसाधन बढ़ाने एवं अवस्थापना विकास से

संबंधित केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का आम जन को पूरा लाभ मिले।

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस. एस. नेगी ने कहा कि आयोग द्वारा अब तक 19 रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत की जा चुकी हैं। उधमसिंह नगर जनपद की रिपोर्ट भी जल्द सौंपी जायेगी। उन्होंने कहा कि लोगों का रूझान रिवर्स माइग्रेशन की दिशा में बढ़ रहा है। ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग के सदस्य दिनेश रावत ने सुझाव दिया कि राज्य में कृषि एवं बागवानी को बढ़ावा देने के लिए फसलों को जंगली जानवरों से बचाव के लिए सुरक्षात्मक उपाय करने होंगे। सीएम सौर स्वरोजगार योजना को राज्य में और बढ़ावा देना होगा। सदस्य सुरेश सुयाल ने सुझाव दिया कि गांवों में किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ)को बढ़ावा देना होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक स्वरोजगार से जोड़ना होगा। राम प्रकाश पैन्यूली ने सुझाव दिया कि चारधाम यात्रा मार्गों पर प्रचीन मंदिरों को भी जोड़ने की जरूरत है, इससे धार्मिक पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में नोडल अधिकारी बनाने होंगे। रंजना रावत ने सुझाव दिया कि पर्वतीय क्षेत्रों में एमएसएमई को और बढ़ावा देना होगा। कृषकों को समय पर उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध हों, यदि वे कहीं बाहर से भी उच्च गुणवत्ता युक्त बीज ले रहे हो, तो उन्हें इसके लिए सब्सिडी समय पर मिल जाए। अनिल शाही ने कहा कि गांवों को केन्द्र मानकर विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास करने होंगे। सीमान्त क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सीमान्त दर्शन योजना शुरू करने की दिशा में विचार करना होगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव बी.वी.आर. सी. पुरूषोत्तम, अपर सचिव नीतिका खण्डेलवाल उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड पुलिस को tech-savvy बनना है : अशोक कुमार, डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6 जनवरी। अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने परिक्षेत्र एवं जनपद प्रभारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तराखण्ड पुलिस एप एवं ईनामी/वांछित अपराधियों व अवैध रूप से अर्जित अवैध सम्पत्ति अधिग्रहण के लिए चलाए गए विशेष अभियान में की गयी कार्यवाहियों की समीक्षा की।आईपीएस अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस को tech-savvy बनना है। उत्तराखण्ड पुलिस एप स्मार्ट पीपल फ्रेंडली और पारदर्शी पुलिसिंग की ओर एक बड़ा कदम है। अभी तक डेढ़ लाख लोग इस एप को डाउनलोड कर इसकी सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। आम जन को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य यह एप बनाया गया है। सभी जनपद प्रभारी इस एप का व्यापक प्रचार-प्रसार

करें, जिससे अधिक से अधिक लोग इसकी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। भविष्य में इसमें और भी सेवाएं जोड़ी जाएंगी। महिला सुरक्षा के दृष्टिगत इसके गौरा शक्ति फीचर में रजिस्ट्रेशन को बढ़ाया जाए। रजिस्टर्ड महिलाओं के साथ समन्वय कर उनकी शिकायत के समाधान करते हुए उन्हें सुरक्षित महसूस करायें।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कई बड़े निर्देश दिए गए हैं -

1. जघन्य अपराधों की SR Cases फाइल को रेड फ्लैग और डबल रेड फ्लैग के अन्तर्गत वर्गीकृत करने का निर्णय लिया गया। एसआर फाइल जनपद प्रभारी अपने हस्तलेख में लिखेंगे। 24 घंटे के अन्दर स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे। अभियोगों की बेहतर पैरवी हेतु केस ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी।
2. प्रतिबिम्ब एप का अधिक से अधिक उपयोग करें। अभियुक्तों के फिंगरप्रिन्ट लेने हेतु उपकरण उपलब्ध करा दिए गए हैं, उनका उपयोग किया जाए। शीघ्र ही अभियुक्तों की आईरिस और रेटिना का रिकार्ड रखने हेतु भी एनसीआरबी की ओर से प्रशिक्षण कराया जाएगा।
3. ईनामी/वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी का प्रतिशत बढ़ाने और समस्त जनपद प्रभारियों को अवैध रूप से अर्जित अवैध सम्पत्तियों का शीघ्र चिन्हीकरण कर अधिग्रहण की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।
4. एक सप्ताह के भीतर महिला हेल्पडेस्क एवं चीता मोबाइल को सीयूजी मोबाइल नम्बर प्रदान कर दिए जाएंगे।इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- वी मुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक, अभिसूचना एवं सुरक्षा- ए पी अंशुमान, पुलिस उप महानिरीक्षक, पी/एम- सेंथिल अबुदेई कृष्ण राज एस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हाथी दांत के साथ पकड़ा गया तस्कर, दांतों की कीमत लगभग 30 लाख रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की, 6 जनवरी। एसटीएफ व कलियर पुलिस टीम ने हाथी के दांत के साथ एक तस्कर को दबोचा है। तस्कर के पास से हाथी के दो दांत भी बरामद किए गए हैं। इन दांतों की कीमत करीब 30 लाख रूपए बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक एसटीएफ व थाना कलियर पुलिस की संयुक्त टीम ने हाथी के दांतों की तस्करी होने की सूचना पर घेरा बंदी की। इस दौरान अजमेरी तिराहा के निकट आम के बाग से एक तस्कर को पकड़ा गया। जबकि दो तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गये।

पकड़े गए तस्कर के कब्जे से दो हाथी दांत भी बरामद किए हैं। एसओ जहांगीर अली ने बताया की पकड़े गए तस्कर ने पूछताछ में अपना नाम लोकेश बजाज निवासी आवास विकास कालोनी थाना सदर शाहजहांपुर यूपी बताया है।

इसके दो साथी नौशाद व रिजवान निवासीगण शाजहांपुर यूपी मौके से फरार हो गए हैं। जिनको जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित रुड़की में हाथी के दांतों की तस्करी करने के लिए आये थे।

गजब खबर : समुद्री लहरों से बिजली पैदा करेगा भारत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 जनवरी , दुनियाभर में ऊर्जा संकट एक नई चुनौती बनकर उभरा है। इससे लड़ने के लिए वैज्ञानिक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के तरीके खोजने का प्रयास कर रहे हैं। इसी दिशा में कार्य करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जिससे समुद्री तरंगों से बिजली उत्पन्न हो सकती है। समुद्री तरंगों से बिजली उत्पादन की यह तकनीक आईआईटी मद्रास द्वारा विकसित 'ओशन वेव एनर्जी कन्वर्टर' नामक उपकरण के कारण संभव हो सका है। इस उपकरण का परीक्षण पिछले महीने सफलतापूर्वक किया गया है। इस उपकरण को तमिलनाडु के तूतीकोरिन तट से लगभग छह किलोमीटर दूर 20 मीटर गहरे स्थान पर तैनात किया गया है। इस उपकरण से अगले तीन वर्षों में समुद्र की लहरों से एक मेगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य है।

'सिंधुजा-1' नामक इस परियोजना के तहत स्थापित उपकरण में फ्लोटिंग घटक, लंबी छड़ (स्पार) और इलेक्ट्रिकल मॉड्यूल शामिल हैं। समुद्री लहर ऊपर और नीचे होती है, तो गुब्बारे के समान फ्लोटिंग घटक भी ऊपर और नीचे होता है। उपकरण का डिजाइन कुछ इस तरह है कि गुब्बारे जैसी इस प्रणाली में एक केंद्रीय छिद्र होता है, जिससे होकर एक लंबी छड़, जिसे स्पार कहा जाता है, गुजरती है। स्पार को समुद्र तल में स्थापित किया जा सकता है और लहरें इसे प्रभावित नहीं करती हैं। एक सापेक्ष हलचल इलेक्ट्रिक जेनरेटर के रोटेशन और उसके परिणामस्वरूप ऊर्जा उत्पादन में मदद करती है। उपकरण के मौजूदा डिजाइन में स्पार तैरता रहता है और मूरिंग चेन सिस्टम को अपने स्थान पर बनाये रखती है।

आईआईटी मद्रास ने 'ओशन वेव एनर्जी कन्वर्टर' का परीक्षण विरया परमिता एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड; और मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के सहयोग से किया है। जबकि, विद्युत भंडारण सिस्टम जीकेसी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलॉजी और एमसीकेवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, पश्चिम बंगाल द्वारा डिजाइन किया गया है। समुद्र में इस उपकरण को स्थापित करने में वाटरफ्रंट इंजीनियरिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की भूमिका रही है।

यह पहल भारत को नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट बिजली पैदा करने के अपने जलवायु परिवर्तन संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार हो सकती है। महासागर इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर अब्दुस समद बताते हैं- ₹भारत के पास 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा है, जो 54 गीगावॉट बिजली उत्पादन में सक्षम है, जिससे देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने में मदद मिल सकती है। समुद्री जल में ज्वार और महासागरीय तापीय ऊर्जा का भंडार संचित है। भारत में समुद्री लहरों से 40 गीगावाट ऊर्जा का दोहन संभव है।

ओ तेरी ! 'ओलिविया' है दुनिया की सबसे महंगी बिल्ली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 जनवरी , ग्रैमी अवॉर्ड सिंगर टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे सफल महिलाओं में शामिल हैं। उनकी तरह अब उनकी बिल्ली ओलिविया बेन्सन (एक स्कॉटिश फोल्ड फेलाइन) दुनिया भर के सबसे धनी पालतू जानवरों में से एक बन गई है। AllAboutCats.com के अनुसार, ओलिविया फिलहाल दुनिया के सबसे धनी पालतू जानवरों की सूची में तीसरे स्थान पर है।

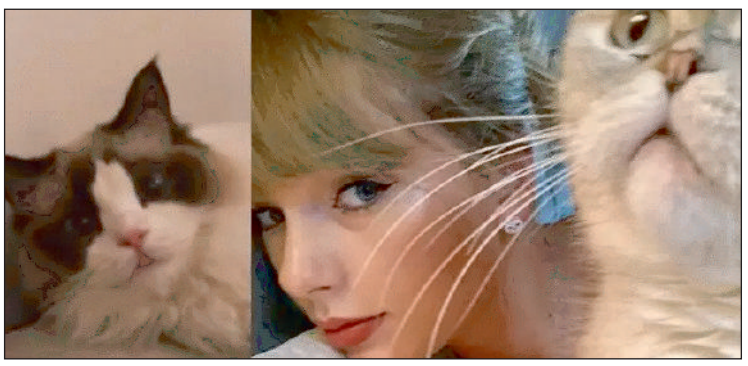

टेलर स्विफ्ट की महंगी बिल्ली

सिंगर टेलर स्विफ्ट (Taylor Swift) के पास साल 2014 से उनकी पेट कैट ओलिविया है। ओलिविया के अलावा, टेलर के पास दो और बिल्लियां भी हैं- मेरेडिथ ग्रे और बेंजामिन बटन। हालांकि, लिस्ट में केवल ओलिविया का उल्लेख है और मेरेडिथ और बेंजामिन के बारे में कुछ भी नहीं है। फोर्ब्स 2022 की रिपोर्ट के अनुसार टेलर स्विफ्ट की कुल संपत्ति 4700 करोड़ है। कहा जाता है कि फोर्ब्स-शैली की सूची दुनिया भर में हर लोकप्रिय पालतू जानवर के लिए होती है। उनके इंस्टाग्राम डेटा के जरिए यह अनुमान लगाने के लिए कि इनमें से हर पालतू जानवर कितना कमा सकता है। जबकि ओलिविया का खुद का कोई इंस्टाग्राम अकाउंट नहीं है, वह कई बार सिंगर के अकाउंट पर तस्वीरों और वीडियो में देखी जाती हैं। वेबसाइट के अनुसार, सिंगर की बिल्ली की अनुमानित 800 करोड़ है।

ओलिविया ने टेलर के साथ कई कमर्शियल काम किए हैं। उन्हें ब्लैंक स्पेस जैसे सिंगर के कई म्यूजिक वीडियो में लिया गया है। दोनों कई ऐड्स में भी एक साथ दिखाई दिए हैं और ओलिविया की अपनी मर्चेंडाइज लाइन है। उन्हें सोशल मीडिया पर अपार लोकप्रियता हासिल है और उनके लिए समर्पित कई फैन क्लब हैं। वेबसाइट में लिखा था, 'स्कॉटिश फोल्ड ने कई म्यूजिक वीडियो में अपनी मालकिन के साथ एक्टिंग करके अपना भाग्य बनाया, अपनी खुद की मर्चेंडाइज लाइन तैयार की है और डाइट कोक और नेड स्नीकर्स की पसंद सहित कई बड़े बजट ऐड्स में कैमियो किया है।'

टेलर स्विफ्ट की बिल्ली के अलावा, लिस्ट में ओपरा विनफ्रे के कुत्तों को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अपने मालिक की मौत के कारण अपने ट्रस्ट के जरिए 30 मिलियन का वारिस किया है। फैशन डिजाइनर कार्ल लेगरफेल्ड की बर्मन बिल्ली चौपेट ने कार्ल की मौत के बाद विरासत में लगभग 13 मिलियन डॉलर के साथ लिस्ट में अपना रास्ता खोज लिया। यहां तक कि बेट्टी व्हाइट का गोल्डन रिट्रीवर, पॉन्टियक भी लिस्ट का एक हिस्सा है, जिसे एक्टर की मौत के बाद 5 करोड़ विरासत में मिले।

XBB.1.5 की अगले प्रमुख COVID सबवेरिएंट होने की संभावना है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नया सबवेरिएंट ओमिक्रॉन से अधिक घातक नहीं है, लेकिन शुरुआती संकेत बताते हैं कि यह अधिक तेज़ी से फैलता है। अमेरिका में COVID-19 के अनुमानित आधे मामले अब XBB.1.5 से हैं, जो पहले ही दुनिया भर में फैल चुका है। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, सबवेरिएंट ओमिक्रॉन से ज्यादा घातक नहीं है। फिर भी एक और नया कोरोनावायरस सबवेरिएंट यहां हैः XBB.1.5। दिसंबर के अंत में सकारात्मक COVID-19 मामलों के 41% के लिए जिम्मेदार, संयुक्त राज्य अमेरिका में सबवेरिएंट तेजी से फैल रहा है।

XBB.1.5 अधिक आसानी से प्रसारित करता है

XBB.1.5 ओमिक्रॉन का एक सबवैरिएंट है, जो वर्तमान में विश्व स्तर पर प्रमुख कोरोनावायरस वैरिएंट है। XBB.1.5 ओमिक्रॉन का एक ₹पुनः संयोजकर सबवेरिएंट है, जिसका अर्थ है कि इसमें विभिन्न कोरोनावायरस सबवेरिएंट से आनुवंशिक सामग्री शामिल है।हंटर ने कहा, ₹चूंकि हमने कुछ महीने पहले पहली बार एक्सबीबी की खोज की थी, यह विकसित हो रहा है। एक्सबीबी.1.5 ने एस्केप म्यूटेशन विकसित किया है, जिसका अर्थ है कि वायरस प्रतिरक्षा से बचने में बेहतर है।₹ XBB.1.5 अभी भी प्रतिरक्षा कोशिकाओं द्वारा बेअसर है, हंटर ने कहा, लेकिन प्रतिरक्षा प्रणाली इसे भी पहचान नहीं पाती है।

क्या XBB.1.5 ज्यादा खतरनाक है?

संयुक्त राज्य अमेरिका में शुरुआती संकेत बताते हैं कि XBB.1.5 अन्य ओमिक्रॉन सबवेरिएंट की तुलना में अधिक घातक नहीं है। हंटर ने कहा, ₹अमेरिका में विश्वसनीय स्रोत हमें

बताते हैं कि XBB.1.5 वेरिएंट वाले लोगों में अधिक गंभीर COVID लक्षण नहीं होते हैं।₹विशेषज्ञ चिंतित हैं कि, यदि XBB.1.5 तेजी से फैलता है, तो अन्य ओमिक्रॉन सबवैरिएंट के समान गंभीर लक्षणों वाले लोगों की संख्या संक्रमणों के भारी वजन से बढ़ जाएगी। माइकल हेड के अनुसार, नए सबवैरिएंट का प्रसार स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खराब समय पर आता है।

XBB.1.5 के विरुद्ध प्रभावी टीके

क्योंकि XBB.1.5 ओमिक्रॉन का एक सबवैरिएंट है, टीकाकरण और/या पिछला COVID-19 संक्रमण अभी भी XBB.1.5 को प्रणालीगत प्रतिरक्षा प्रदान करेगा। हंटर ने कहा, ₹यदि आप XBB.1.5 प्राप्त करते हैं तो टीके अभी भी हमें गंभीर COVID रोग से समान सुरक्षा प्रदान करते हैं। हालांकि, यह हो सकता है कि हम XBB.1.5 के संक्रमण से थोड़ा कम सुरक्षित हैं।₹विशेषज्ञों के अनुसार, COVID-19 यहां रहने के लिए है, जिसका अर्थ है कि XBB.1.5 जैसे सबवैरिएंट्स के उभरने की संभावना है।

जंगली जानवरों से खेती एवं बागवानी की सुरक्षा के लिए 130 करोड़ : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ग्राम्य विकास विभाग की बैठक लेते हुए कहा कि जंगली जानवरों से खेती एवं बागवानी की सुरक्षा के लिए राज्य के पर्वतीय जनपदों में फेंसिंग की व्यवस्था के लिए 130 करोड़ रूपये की धनराशि की व्यवस्था की जायेगी। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के विस्तारीकरण के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना होगी शुरू। प्रधानमंत्री वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की भांति राज्य में मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना के तहत नेपाल बॉर्डर के कुछ गांवों को चिन्हित कर विकसित किया जायेगा। पीएम वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत राज्य के चीन की सीमा से लगे चार ग्राम नीति, माणा, मलारी एवं गूंजी चिन्हित हुए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आजीविका दर्पण त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि अमृत सरोवर योजना के तहत अब 1200 और अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य मिला है, इनसे लोगों की आजीविका को कैसे बढ़ाया जा सकता है, इस पर भी ध्यान दिया जाए। इनको मत्स्य पालन से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि पशुबाड़ के तहत लाभार्थियों को जो 48 हजार रूपये की धनराशि दी जा रही है, उसे बढ़ाने के लिए जल्द प्रस्ताव लाया जाए। कृषि, बागवानी एवं पशुपालन को राज्य में और तेजी से बढ़ावा दिया जाए। सेब एवं कीवी पर मिशन मोड में कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री प्रत्येक 15 दिन में इसकी स्वयं समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बागवानी को बढ़ावा देकर लोगों की आर्थिकी में तेजी से बढ़ाने के प्रयास किये जाए। राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी उचित ऑनलाईन मार्केटिंग की व्यवस्था के भी निर्देश उन्होंने दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लक्ष्य के सापेक्ष अवशेष आवास निर्माण कार्यों में तेजी से कार्य हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्य सरकार के लक्ष्य के अनुसार वर्ष 2025 तक समूहों की 1.25 लाख महिला सदस्यों को लखपति दीदी बनाने के लिए सुनियोजित तरीके से कार्य करने पर भी उन्होंने बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों एवं कार्यदाई संस्थाओं द्वारा जो भवन बनाये जा रहे हैं, उनको पर्वतीय शैली में बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अभी तक जिनका मुआवजा भुगतान नहीं हुआ है, वह शीघ्र किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्र पोषित योजनाओं में मनरेगा के तहत अमृत सरोवर योजना, आधार सीडिंग में उत्तराखण्ड राष्ट्रीय स्तर पर पहले एवं ससमय भुगतान में तृतीय स्थान पर है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत उत्तराखण्ड बजट आवंटन/स्वीकृति, रिवाल्विंग फंड तथा सामुदायिक निवेश निधि (RF & CIF) में प्रथम स्थान एवं लखपति दीदी सर्वे में द्वितीय स्थान पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत भी उत्तराखण्ड देश में पांचवे स्थान पर है।

बैठक में जानकारी दी गई कि विगत पांच वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राज्य में 5838 करोड़ की लगात से 11621 किमी. मार्गो का निर्माण किया गया एवं 875 बसावटें संयोजित की गई। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना से 2017 तक राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3994 करोड़ रूपये की लागत से 10243 किमी के कुल 1310 कार्य स्वीकृत हुए एवं 955 बसावटें संयोजित की गई। जबकि 2017 से अब तक राज्य में 6375 करोड़ रूपये की लागत से 10034 किमी के कुल 1468 कार्य स्वीकृत हुए हैं एवं 875 बसावटें संयोजित की गई हैं। विगत 05 वर्षों में राज्य में मनरेगा के तहत प्रतिवर्ष 5.5 लाख परिवारों को रोजगार से जोड़ा गया। 56 प्रतिशत रोजगार महिलाओं को दिया गया। आजीविका पैकेज के अन्तर्गत 13500 परिवारों को आजीविका संसाधनों से जोड़ा गया। दीनदयाल अन्त्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विगत 05 वर्षों में 3.49 लाख परिवारों के 52613 समूहों में संगठित किया गया। 38882 समूहों को रिवाल्विंग फण्ड, 23952 समूहों को सी.आई.एफ की धनराशि वितरित की गई। 29289 समूह सदस्यों को लखपति दीदी के रूप में तैयार किया गया। बैठक में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, आयुक्त ग्राम्य विकास आनन्द स्वरूप, अपर सचिव नितिका खण्डेलवाल, उदयराज, अरूणेन्द्र चौहान, योगेन्द्र यादव एवं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों ने एफआरआई में किया मंथन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, देहरादून ने विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना के तहत उपयुक्त रणनीतियों / फ्रेमवकर् को विकसित करने के लिए कृषि वानिकी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कायर्शाला का आयोजन किया है। पयार्वरण से संबंधित राष्ट्रीय लक्ष्यों और अंतराष्ट्र्रीय प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने के लिए देश में कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए बाधाओं और चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत सरकार को नीतिगत जानकारी प्रदान की गई। कायर्शाला में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्र्रीय संगठनों, भारत सरकार के प्रमुख मंत्रालयों, राज्य के वन विभागों, देश के वानिकी और कृषि अनुसंधान संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधियों और किसानों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। स्थायी भूमि और पारितंत्र प्रबंधन के लिए कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान के परिणामों, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रणालियों को कायर्शाला के दौरान साझा किया गया। देश में कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों द्वारा 24 प्रस्तुतियां दी गईं। प्रगतिशील किसानों और लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भारत में कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के अवसरों और बाधाओं पर पैनल चचार् में भाग लिया। उन्होंने कृषि वानिकी प्रथाओं को अपनाने और बढ़ाने में अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया है।

दो दिनों के विचार-विमशर् और अनुभव साझा करने के बाद, राष्ट्रीय कायर्शाला ने कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी प्रजातियों की गुणवत्ता रोपण सामग्री की उपलब्धता, नीतियों के युक्तिकरण और कृषि वानिकी के विकास के लिए नियामक व्यवस्थाओं के संबंध में और कृषि वानिकी, प्रमाणन ढांचा और कृषि वानिकी उत्पादों के लिए बाजार तंत्रविकसित करने और व्यावहारिक सिफारिशों को अंतिम रूप दिया है। अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् और डॉ अनुपम जोशी, वरिष्ठ पयार्वरण समाजवादी ने राष्ट्रीय कायर्शाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की और कायर्शाला के सफल आयोजन हेतु समस्त विशेषज्ञों, प्रतिनिधियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की।

पौड़ी पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही, राजस्थान से ईनामी गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 7 जनवरी । पीड़िता दीपमाला ने कोतवाली कोटद्वार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी कि पदमेन्द्र असवाल ने जमीन लेने के नाम पर ₹ 15,00,000/ (पन्द्रह लाख) की धोखाधड़ी की है। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली कोटद्वार में मामला दर्ज किया गया और उपनरीक्षक दिनेश कुमार को जांच सौंपी गयी। नामजद अभियुक्त पदमेन्द्र असवाल काफी समय से फरार चल रहा था, जिसकी पौड़ी पुलिस को काफी समय से तलाश थी। फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित ठिकानों पर लगातार दबिशें दी जा रही थी।

आमजन से इस प्रकार की धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने पहले से ही काफी गम्भीर निर्देश दिए हैं लिहाज़ा फरार अभियुक्त पर ₹ 10,000/- का ईनाम घोषित कर अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी करने के लिये एक टीम गठित कर पकड़ने के निर्देश दिए।

इस मामले में तेज़ी से कार्यवाही करते हुए शेखर चन्द्र सुयाल अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देशन, गणेश लाल कोहली क्षेत्राधिकारी कोटद्वार एवं विभव सैनी क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास और सर्विलान्स की मदद से अभियुक्त पदमेन्द्र असवास को सहारा सिटी, जयपुर राजस्थान से गिरफ्तार

किया गया। अभियुक्त पदमेन्द्र असवाल के विरूद्ध ₹ 35,00000/- लाख की धोखाधड़ी के सम्बन्ध में जनपद के थाना कोटद्वार पर इसी प्रकार का एक अन्य अभियोग पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

डीआईजी दलीप सिंह कुंवर ने मसीहा बनकर देर रात बांटी राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी। अक्सर आप सुनते होंगे कि रात में पुलिस को देखकर राहगीर सहम जाते हैं। वर्दी में पुलिस का काफिला जब अँधेरी रात में चौराहे पर हलचल करते हैं तो लगता है कोई बड़ा मामला है लेकिन जब आपको एसएसपी देहरादून दलीप सिंह कुंवर की ये तस्वीरें दिखाई देंगी तो आप कह उठेंगे वाह। कड़ाके की सर्दी और खुले आसमान के नीचे ठिठुरती ज़िंदगियों को उम्मीद नहीं थी की आज रात एक रहमदिल आएगा और उन्हें सुकून की सौगात बांटेगा।

डीआजी / एसएसपी दलीप सिंह कुंवर कोहरे व कड़ाके की ठंड के बीच देहरादून की सड़कों पर इसी मकसद के साथ निकले की आज लोगों की दुआएं लेनी है और उन्हें राहत देने का एक नेक काम करना है। सबसे पहले उनका काफिला गलन भरी सर्दी में सबसे पहले रात्रि 12.00 बजे घंटा घर पहुंचा , जहां सड़क किनारे खुले में सो रहे गरीब असहाय व्यक्तियों को देखकर कप्तान कुंवर रुके, मौके पर ही हर शख्स से उसकी जानकरी लेते हुये सभी को जैकेट पहनाई व कंबल वितरित किए। साथ ही सभी व्यक्तियों के लिए चाय व बिस्किट की व्यवस्था की गई।

इसके बाद डीआजी पहुंचे दर्शनी गेट, लालपुल, आईएसबीटी, रिस्पना पुल प्रेमनगर और आखिर में दून चौक पहुँचे, जहाँ पहुंचकर उन्होंने सड़क किनारे सो रहे व्यक्तियों से मुलाकात कर उन्हें गर्म कंबल व जैकेट वितरित कर चाय व बिस्कुट बांटे । सभी व्यक्तियों से बातचीत कर उन्हें पुलिस की ओर से हर संभव सहायता मुहैया कराने का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान कप्तान दलीप सिंह कुंवर ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गरीबों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने जनपद के सक्षम लोगों से गरीबों व बेसहारा लोगों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया ताकि गरीब व असहाय लोग अपने आप को उपेक्षित महसूस ना करे।

देहरादून के कप्तान ने एक आदर्श उदाहरण पेश करते हुए लोगों से अपील की है कि वह अपने स्तर से जो भी गर्म कपड़े, कंबल आदि गरीब लोगों को देना चाहते हैं, वे उसे अपनी नजदीकी थानों में दे सकते हैं, पुलिस द्वारा उसे तत्काल जरूरतमंद लोगों तक मुहैया कराया जाएगा। वस्त्र एवं कंबल वितरण के दौरान सभी लोगो की आंखों में पुलिस के लिये प्यार दिखा, कई व्यक्तियों नें कहा की पुलिस का ऐसा रूप उन्होंने पहले न कभी देखा और न सुना तथा पुलिस कप्तान व पुलिस टीम को ढेर सारी दुआये दी। उक्त भ्रमण के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर , क्षेत्राधिकारी डालानवाला, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, प्रभारी निरीक्षक पटेलनगर, थानाध्यक्ष रायपुर, वरिष्ठ उप निरीक्षक नेहरूकॉलोनी व अन्य चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस की भव्य तैयारी में जुटें सभी विभाग : सोनिका , डीएम देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 जनवरी , गणतंत्र दिवस की तैयारियों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में जिलाधिकारी सोनिका एवं डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुँवर की संयुक्त अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को गणंतत्र दिवस में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सफल सम्पादन हेतु मानसिक रूप से तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा एवं दायित्वों के सम्बन्ध में अगली बैठक में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने विभाग से संबंधित सभी तैयारियों समय से पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। नगर निगम को समस्त नगर निगम क्षेत्र एवं नगर निगम ऋषिकेश व समस्त नगर पालिका परिषदों को अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के साथ ही 25 एवं 26 जनवरी को शासकीय भवनों को प्रकाशमान करने, लोनिवि को मुख्य कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेटिंग, टैण्ट, मंच आदि व्यवस्थाएं बनाने, पेयजल निगम को कार्यक्रम स्थल पर पेयजल व्यवस्था, विद्युत विभाग को कार्यक्रम के दौरान, विद्युत व्यवस्था बनाने तथा स्वास्थ्य विभाग को कार्यक्रम स्थल पर सैनिटाइजर, मास्क, के साथ ही चिकित्सक टीम के साथ एम्बुलेंस तैनात रखने, पुलिस विभाग को सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। समस्त उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में गणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त व्यवस्थाएं बनाने तथा फ्लैग कोड का पालन करवाने के निर्देश दिए।

इस दौरान डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने सभी विभाग के अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने कार्यक्रम के दौरान, सिटिंग प्लान, यातायात, पार्किंग आदि व्यवस्थाओं के साथ ही सुरक्षा आदि सभी पहलुओं को दृष्टिगत रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरूणा अग्रवाल, अपर नगर मजिस्टेªट मायादत्त जोशी, जिला कमाण्डेट होमगार्ड राहुल सचान, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आरसी तिवारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भास्कर कुलियाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नगर निगम, विद्युत, पेयजल निगम, जल संस्थान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तत्काल सुरक्षित स्थान पर अस्थायी पुनर्वास केंद्र बनाया जाए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव की उच्चाधिकारियों के साथ की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में जोशीमठ शहर के भू धसाव से प्रभावित संकटग्रस्त परिवारों के पुनर्वास की वैकल्पिक व्यवस्था एवं भूधंसाव के कारणों आदि के संबंध में उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जोशीमठ की अध्यतन स्थित की सचिव आपदा प्रबंधन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल और जिलाधिकारी चमोली से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भुधंसाव से प्रभावित संकटग्रस्त परिवारों के पुनर्वास की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं।

उन्होंने कहा कि संकट की इस स्थिति में जानमाल की सुरक्षा एवं बचाव पर ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे समय में लोगों की मदद करना हम सबका दायित्व एवं जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने इस स्थिति में लोगों में भरोसा बनाये रखने की भी बात कही। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों के पुनर्वास तथा उन्हें अन्यत्र शिफ्ट करने में भी तेजी लाये जाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रभावितों को बेहतर से बेहतर क्या मदद कर सकते हैं इस पर ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में सबसे महत्वपूर्ण होता है लोगों में सरकार और प्रशासन का भरोसा बनाये रखना। इसमें धरातल पर काम करने वाले प्रशासनिक मशीनरी को संवेदनशीलता से काम करना होगा तथा स्थिति पर निगरानी बनाए रखनी होगी। इसके लिये हमें तात्कालिक तथा दीर्घकालीक कार्य योजना पर गंभीरता से कार्य करना होगा। तात्कालिक एक्शन प्लान के साथ ही दीर्घकालीन कार्यों में भी लंबी प्रक्रिया को समाप्त करते हुए डेंजर जोन के ट्रीटमेंट, सीवर तथा ड्रेनेज जैसे कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, इसमें सरलीकरण तथा त्वरित कार्यवाही ही हमारा सबसे बड़ा मूलमंत्र होना चाहिए। जोशीमठ मामले पर जल्द से जल्द हमारी कार्ययोजना बिल्कुल तय होनी चाहिए। हमारे लिये नागरिकों का जीवन सबसे अमूल्य है।

मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल और जिलाधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त करते हुए निर्देश दिये कि चिकित्सा उपचार की सभी सुविधाओं की उपलब्धता रहे। जरूरी होने पर एयर लिफ्ट की सुविधा रहे, इसकी भी तैयारी हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि तत्काल सुरक्षित स्थान पर अस्थायी पुनर्वास केंद्र बनाया जाए। जोशीमठ में सेक्टर और जोनल वार योजना बनाई जाए। तत्काल डेंजर जोन को खाली करवाया जाए और जोशीमठ में अविलंब आपदा कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए। स्थाई पुनर्वास के लिए पीपलकोटी और गौचर सहित अन्य स्थानों पर सुरक्षित जगह तलाशी जाए। कम प्रभावित क्षेत्रों में भी तत्काल ड्रेनेज प्लान तैयार कर काम शुरू हो। सहायता शिविरों में सभी जरूरी सुविधाएं हों। जिलाधिकारी और प्रशासन स्थानीय लोगों से निरंतर सम्पर्क में रहें। सम्भावित डेंजर जोन भी चिन्हित कर लिये जाएं। समय पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुचाना जरूरी है। इस संबंध में सैटेलाइट इमेज भी उपयोगी हो सकती हैं। सभी विभाग टीम भावना से काम करे तभी हम लोगों की बेहतर ढंग से मदद करने में सफल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। यहां पर किये जाने वाले तात्कालिक महत्व के कार्यों को आपदा प्रबंधन नियमों के तहत सम्पादित करने की व्यवस्था बनायी जाय। ऐसे समय में लोगों की आजीविका भी प्रभावित न हो इसका भी ध्यान रखा जाय। लोगों की आपदा मद से जो भी मदद हो सकती है वह की जाय। उन्होंने प्रभावितों की मदद के लिये एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा आवश्यकता पड़ने पर हेली सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून से पहले जोशीमठ में सीवरेज ड्रेनेज आदि के कार्य पूर्ण कर लिये जाय। सचिवालय में आयोजित बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, सचिव शैलेश बगौली, सचिव कुर्वे, दिलीप जावलकर, पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ रिद्विम अग्रवाल आदि के साथ ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त गढ़वाल मण्डल सुशील कुमार,सचिव आपदा प्रबंधन डॉ रंजीत सिन्हा जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कड़ाके की ठंड में हरकी पैड़ी पहुंचे हजारों श्रद्धालु, गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 6 जनवरी। पौष पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। सुबह चार बजे से हरकी पैड़ी एवं आसपास के गंगा घाटों पर श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचने शुरू हो गए। श्रद्धालुओं की आस्था कड़ाके की सर्दी पर भारी पड़ी। दिन में धूप निकलने पर भीड़ बढ़ती गई। श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर पितरों के निमित डुबकी लगाकर मां गंगा से परिवार के सुख समृद्धि और पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

पौष पूर्णिमा से माघ माह का स्नान शुरू हो गया। शुक्रवार को मां शाकुंभरी का जन्मदिवस भी होता है। उत्तराखंड के अलावा यूपी, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब से श्रद्धालु पौष पूर्णिमा पर गंगा में डुबकी लगाने हरिद्वार पहुंचे। सुबह चार बजे से हरकी पैड़ी और आसपास के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की चहल पहल शुरू हो गई थी।

श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और पितरों की याद में दीपदान किया। गरीबों को दान कर पुण्य कमाया। गंगा घाटों पर दोपहर तीन बजे तक काफी पहल पहल रही। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर आसपास के मंदिरों में भी दर्शन किए। पूर्णिमा तिथि शनिवार 7 जनवरी की सुबह 4.37 बजे तक रहेगी। लिहाजा, शाम तक भी कई श्रद्धालु गंगा घाटों पर स्नान करते दिखे। काफी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से हाईवे पर दिनभर वाहनों का दबाव रहा। कई जगहों पर जाम जैसी स्थिति रही। पुलिस को खूब पसीना बहाना पड़ा। प्रेम नगर आश्रम, चंद्राचार्य चौक, शंकराचार्य चौक, चंडीघाट चौक, शिवमूर्ति तिराहा, रोड़ीबेलवाला, तुलसी चौक, सिंह द्वार चौक और रानीपुर मोड़ के पास सुबह से रात तक कई बार जाम लगा।

ज्योतिषाचार्य प्रतीक मिश्रपुरी का कहना है कि पूरे साल में 12 पूर्णिमा होती हैं। सभी पूर्णिमा का अपना महत्व है। शुक्रवार को पौष पूर्णिमा से माघ का स्नान शुरू हो गया। पूरे 30 दिनों तक स्नान चलेगा। कुछ श्रद्धालु पूरे मास में गंगा किनारे धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। पौष पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने पितरों के निमित भी गंगा स्नान किया।

जोशीमठ भूधंसाव

15 और परिवार शिफ्ट, विशेषज्ञों ने शुरू किया निरीक्षण, घर-घर हो रहा सर्वेक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ, 6 जनवरी। जोशीमठ को भूधंसाव के खतरे से बचाने के लिए अब शासन-प्रशासन एक्शन मोड में है। इसी क्रम में शुक्रवार को विशेषज्ञों की टीम ने निरीक्षण शुरू कर दिया। गढ़वाल आयुक्त सुशील कुमार, आपदा प्रबंधन सचिव रन्जीत कुमार सिन्हा सहित विशेषज्ञ वैज्ञानिकों की टीम द्वारा जोशीमठ में भू-धंसाव के प्रभावित क्षेत्रों में आज घर-घर सर्वेक्षण किया जा रहा है।

टीम शुक्रवार को भी स्थलीय निरीक्षण कर भूधंसाव के कारण और उसके त्वरित उपचार को लेकर कार्ययोजना बनाएगी। गढ़वाल कमिश्नर सुशील कुमार ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा और इसके बाद कार्ययोजना बनाई जाएगी, ताकि जोशीमठ को खतरे से बचाया जा सके।

सरकार के निर्देश पर गुरुवार को गढ़वाल कमिश्नर के अलावा आपदा प्रबंधन व भूवैज्ञानिकों की टीम जोशीमठ पहुंची। टीम ने प्रशासन के अधिकारियों के साथ नगर की स्थिति पर चर्चा की। देर शाम को टीम ने शहर के उन होटलों का भी निरीक्षण किया, जिनमें दरारें आई हैं।

इसके अलावा भू विज्ञानियों की टीम जेपी कालोनी में भी पहुंची और पानी के रिसाव को देखा। गुरुवार को गढवाल कमिश्नर सुशील कुमार, आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत कुमार सिन्हा, आपदा प्रबंधन के अधिशासी अधिकारी पीयूष रौतेला, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट रोहितास मिश्रा, भूस्खलन न्यूनीकरण केंद्र के वैज्ञानिक सांतुन सरकार, आइआइटी रुड़की के प्रोफेसर डा.बीके माहेश्वरी सहित तकनीकी विशेषज्ञों की पूरी टीम जोशीमठ पहुंची।

गढ़वाल कमिश्नर एवं आपदा प्रबंधन सचिव ने तहसील जोशीमठ में अधिकारियों की बैठक लेते हुए स्थिति की समीक्षा की। विशेषज्ञों की टीम ने अधिकारियों से नगर में हो रहे भूधंसाव को लेकर जानकारी जुटाई तथा अब तक की कार्रवाई पर चर्चा की।

लड़की का जूनून और जॉब देखकर आप भी कहेंगे गज़ब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 जनवरी , आपने ये तो सुना ही होगा कि शौक जब जुनून बन जाए तो व्यक्ति कुछ भी करने तैयार हो जाता है। आपने ये भी सुना होगा कि लोग नौकरी करने के नायाब तरीके और लोकेशन ढूंढते रहते हैं जहाँ उनके शौक और क्रेज़ को सही प्लेटफॉर्म मिल सके। आज हम आपको ऐसी ही एक लडकीसे मिलवा रहे हैं जो अपनी अजीब शौक और फन के लिए दुनियाभर में पढ़ी और सुनी जा रही है। चीन की एक महिला ने कुछ ऐसा ही किया जिसे जानकर लोग हैरान है।

महिला ने अपनी सेल्स एग्जीक्यूटिव की अच्छी खासी जॉब को छोड़कर बीच पर एक काम करना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर महिला की कहानी वायरल हुई तो लोगों ने कहा कि ये तो गजब ही हो गया। 4 स्लाइड्स में जानें आखिर ऐसा क्या काम कर रही है ये महिला...चीन के एक अखबार के मुताबिक महिला जिसका सरनेम फेंग है मूल रूप से हैनान द्वीप की रहने वाली है। महिला इससे पहले बतौर सेल्स एग्जीक्यूटिव काम कर रही थी। पर अचानक उसने अपने शौक को अपना करियर बनाने का फैसला किया और नौकरी छोड़ दी। महिला अब बीच पर मौजूद रेत पर ड्राइंग व आकृतियां बनाने के साथ-साथ कई पॉजीटिव मैसेज लिखती है और इसी को अपना करियर बना चुकी है। महिला ने कहा, 'मुझे इस काम से एक अनोखा सुकून मिलता है। इससे मुझे खुद की कीमत समझ आती है। मेरा ये काम बाकी जॉब्स जैसा नहीं है जहां मजबूरी में चीजें की जाएं।' महिला ने कहा कि वो इस काम से (1400 डॉलर) लगभग 1.20 लाख रु हर महीने कमा रही है। महिला ने आगे कहा, 'मुझे लोगों के लिए रेत पर पॉजिटिव मैसेज लिखने से और ड्राइंग बनाकर उन्हें खुशी पहुंचाकर बहुत सुकून मिलता है'। हैनान द्वीप की लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन सानिया (Sanya) की रहने वाली इस महिला की कहानी चीनी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। कई लोग महिला के इस कदम की सराहना कर रहे हैं और कई लोग इस बात से हैरान हैं कि कोई रेत पर ड्रॉइंग बनाने के लिए अपनी अच्छी खासी जॉब कैसे छोड़ सकता है।महिला को अपने नए करियर के लिए उसके परिवार और दोस्तों से काफी सपोर्ट मिल रहा है। ये कहानी उन लोगों के लिए है जो अपने शौक और जुनून को अपना करियर बनाना चाहते हैं।

मैग्नेटिक हिल सिर्फ लद्दाख में ही नहीं गुजरात में भी है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम अक्सर अपने देश में रहस्यमय घटनाओं के बारे में सुनते हैं, लेकिन गुजरात के तुलसीश्याम में एंटी-ग्रेविटी हिल के करीब कोई नहीं आता है। यह स्थान आश्चर्यजनक रूप से गुरुत्वाकर्षण बल के प्रभाव से मुक्त है। आप जानते हैं कि यह सच है जब आपका वाहन अपने आप ऊपर की ओर बढ़ना शुरू कर देता है, तब भी जब यह तटस्थ और हैंडब्रेक के उपयोग के बिना होता है।अमरेली जिले और जूनागढ़ जिले के बीच स्थित, और गिर वन राष्ट्रीय उद्यान के साथ अपनी सीमा साझा करते हुए, तुलसीश्याम अपने 3,000 साल पुराने कृष्ण मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें एक गर्म पानी का झरना है जो अपनी उपचार शक्तियों के लिए जाना जाता है। हालांकि, 'एंटी-ग्रेविटी हिल' को छोड़कर, तुलसीश्याम में सब कुछ सामान्य दिखता है।वास्तव में, यह वास्तव में पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में कुटिल भंवर नहीं है जो घटना का कारण बनता है; बल्कि यह सड़क के दोनों ओर भूमि की संरचना के कारण होने वाला एक दृष्टि भ्रम है। हालांकि ऐसा लगता है कि कारों सहित सब कुछ पहाड़ी पर लुढ़क रहा है; वास्तव में वे केवल नीचे की ओर झुके हुए हैं, जैसा कि उन्हें होना चाहिए। क्षितिज और आस-पास के नज़ारे मस्तिष्क को ढलान को ऊपर की ओर मानने के लिए प्रेरित करते हैं।

यही कारण है कि आपको लगातार ऐसा महसूस होता है कि सब कुछ ऊपर की ओर खींचा जा रहा है।इस क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोग काफी अंधविश्वासी हैं, और उनका मानना है कि यह घटना वास्तव में एक अलौकिक घटना है। उनके साथ बातचीत से पता चलेगा कि वे इसे स्वर्ग का प्रवेश द्वार मानते हैं। भारत में एक और जगह जहां आपको ऐसा ही अनुभव हो सकता है, लेह में मैग्नेटिक हिल्स है।एंटी-ग्रेविटी की अवधारणा दुनिया के अन्य हिस्सों में भी मौजूद है जैसे स्कॉटलैंड में इलेक्ट्रिक बे, ग्रेविटी हिल वाशिंगटन, कैलिफोर्निया में कन्फ्यूजन हिल और चीन में गांसु।

विकराल रूप ले रहा भू-धंसाव, दरारें बढ़ा रहीं लोगों की चिंता, अब मंदिर हुआ धराशायी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ, 6 जनवरी। उत्तराखंड के जोशीमठ में भू-धंसाव विकराल रूप लेता जा रहा है। घरों और सड़कों में पड़ रही बड़ी-बड़ी दरारें लोगों को डरा रही हैं। अभी तक क्षेत्र से किसी हादसे की खबर नहीं थी, लेकिन इसी बीच शुक्रवार को एक मंदिर के धराशायी होने की खबर से लोगों में दहशत बन गई है। जानकारी के अनुसार, सिंहधार वार्ड मे मां भगवती का मंदिर ढह गया। जिसके बाद से लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ भू-धंसाव के कारण अति संवेदनशील (डेंजर जोन) वाले क्षेत्रों में बने भवनों को तत्काल खाली कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावितों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है और चरणबद्ध ढंग से संवेदनशील जगहों से सबको शिफ्ट किया जाएगा।

उधर, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने जोशीमठ भू-धंसाव की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सचिव को भेज दी है। डीएम ने बताया कि नगर में कुल 561 भवनों में दरार आई है। जोशीमठ की जांच के आधार पर गांधी नगर में 127, मारवाड़ी में 28, लोअर बाजार नृसिंह मंदिर में 24, सिंहधार में 52, मनोहर बाग में 69, अपर बाजार डाडों में 29, सुनील में 27, परसारी में 50, रविग्राम में 153 सहित कुल 561 भवनों में दरार आई है।

वहीं, शुक्रवार को गढ़वाल आयुक्त सुशील कुमार और आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत कुमार सिन्हा ने भू-वैज्ञानिकों की टीम के साथ जोशीमठ में भू-धंसाव को लेकर प्रभावित क्षेत्रों का गहन सर्वेक्षण किया। सचिव रंजीत सिन्हा ने कहा कि जोशीमठ नगर में भू-धंसाव के कारणों की जांच की जा रही है। टीम की ओर से हर नजरिए से समस्या का आंकलन किया जा रहा है। घरों में दरारें चिंताजनक हैं। अभी तात्कालिक रूप से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना हमारी प्राथमिकता है। जोशीमठ में भू-धंसाव को देखते हुए एसडीआरएफ ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए यहां तीन और टीमें तैनात की गई हैं। पहले यहां तीन टीमें तैनात रहती थीं। एसडीआरएफ के अधिकारियों को यहां पल-पल निगरानी के निर्देश पुलिस मुख्यालय ने दिए हैं।

बदरीनाथ मास्टर प्लान का कार्य कर रही पीआईयू डिविजन लोनिवि की तकनीकी कार्मिकों की टीम अब जोशीमठ का तकनीकी सर्वे करेगी। यह टीम प्रभावित परिवारों के भवन, होटलों का सर्वे कर नुकसान का आकलन करेगी। अपर जिलाधिकारी अभिषेक त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

जेपी कंपनी के आवासीय परिसर में आपदा से अधिक नुकसान की खबर जैसे ही वहां के कर्मचारियों के सगे-संबंधियों को मिली तो वे मोबाइल से अपने परिचितों की खैर खबर लेते रहे। जेपी कैंपस के कर्मचारी दाताराम थपलियाल का कहना है कि वे वर्ष 2000 से यहां सेवारत हैं। ऐसी आपदा उन्होंने यहां पहली बार देखी। परिचित दिनभर फोन कर कुशलता पूछ रहे हैं। दो अन्य कर्मचारियों ने बताया कि कॉलोनी में दिनभर तो रहा जा रहा है लेकिन रात को डर सता रहा है। जेपी कॉलोनी के समीप ही स्थानीय लोगों के मकान भी हैं। प्रभावित विजया देवी का कहना है कि जिस स्थान पर भूमि से पानी का रिसाव हो रहा है उससे थोड़ी दूरी पर उनका मकान है। यहां रहना मुश्किल बना हुआ है। उनके दो बच्चे भी यहां रहने से डर रहे हैं। उन्होंने जल्द पुनर्वास की मांग की।

संपादकीय

जल संरक्षण पर ध्यान

भारत में अब तक 25 हजार अमृत सरोवरों का निर्माण हो चुका है. देश में जल संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है. सरकार ने 2047 तक, जब हमारी स्वाधीनता के सौ वर्ष पूरे होंगे, हर जिले में 75 सरोवर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है. भारत में आयोजित प्रथम जल सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि जल संरक्षण के लिए राज्यों द्वारा हो रहे प्रयास राष्ट्र के सामूहिक लक्ष्यों को पूरा करने में बड़ा योगदान देंगे. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ राज्यों के मंत्रिगण भी हिस्सा ले रहे हैं. जल एक राज्य विषय है, इसलिए इससे संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों में राज्य सरकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है. जलवायु परिवर्तन से पैदा हो रही समस्याओं और पानी की बढ़ती मांग को देखते हुए जल संरक्षण देश के समक्ष प्रमुख प्राथमिकताओं में है. केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने भी अनेक पहलें की हैं तथा कई योजनाओं को स्वीकृति दी है. जल सम्मेलन के माध्यम से केंद्र और राज्यों के साथ स्वैच्छिक संस्थाओं, उद्योग जगत तथा अन्य हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय की आशा है. भारत के 2047 योजना के अंतर्गत जल से संबंधित चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पांच सूत्री मंत्र को भी सामने रखा है. इसके अंतर्गत राजनीतिक इच्छाशक्ति, सार्वजनिक वित्त, सहभागिता, जन भागीदारी तथा सतत विकास के लिए प्रयास जैसे सूत्र शामिल हैं. पानी की सबसे अधिक आवश्यकता उद्योग जगत और कृषि कार्य में होती है. प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों क्षेत्रों का आह्वान किया है कि उन्हें मिलकर पानी बचाने के लिए एक अभियान चलाना चाहिए. इन क्षेत्रों में नयी तकनीकों को जोड़कर, उत्पादन व्यवस्था में सुधार कर और परंपरागत कृषि में बदलाव कर पानी के इस्तेमाल में बड़ी कटौती की जा सकती है. इस संबंध में देश और दुनिया में अन्यत्र हो रहे प्रयासों को अपनाया जा सकता है. देश के विकास के साथ शहरीकरण की प्रक्रिया में भी बड़ी गति आयी है. इससे पानी की मांग लगातार बढ़ रही है. इस संबंध में गंभीरता से विचार करने की जरूरत को भी प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया है. सरकारों के प्रयासों के साथ व्यापक जन चेतना और जन भागीदारी के बिना अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सकते हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने उचित ही स्वच्छ भारत अभियान का उदाहरण दिया है कि सरकार ने संसाधन उपलब्ध कराये, पर उसकी सफलता लोगों के कारण ही संभव हुई. आशा है कि उसी उत्साह से देश पानी बचाने के लिए भी प्रयासरत होगा.

महाराज ने फडणवीस से जाना राज्यपाल कोश्यारी का हाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 जनवरी। देहरादून/भोपाल। मध्य प्रदेश स्थित भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे हॉल (मिंटो हॉल), जहांगीराबाद में जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दूसरे दिन अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्रियों के सम्मेलन ₹जल दृष्टि@ 2047₹ के आयोजन के बीच चर्चा के दौरान प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण,मंत्री सतपाल महाराज ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का हालचाल जाना। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री मौजूद थे।

उम्र बढ़ने के दौरान व्यायाम कैसे शारीरिक फिटनेस को बरकरार रखता है: शोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जबकि शारीरिक गतिविधि उम्र बढ़ने के दौरान स्वास्थ्य में सुधार कर सकती है, इसके लाभकारी प्रभाव अनिवार्य रूप से कम हो जाते हैं। व्यायाम, फिटनेस और उम्र बढ़ने के बीच के संबंध में अंतर्निहित सेलुलर तंत्र खराब समझे जाते हैं। व्यायाम विज्ञान के लिए जाना जाने वाला सबसे शक्तिशाली एंटी-एजिंग हस्तक्षेप हो सकता है और यह कई प्रकार की बीमारियों से बचाने के लिए सिद्ध हुआ है।

हालांकि, जबकि शारीरिक गतिविधि उम्र बढ़ने के दौरान स्वास्थ्य में सुधार कर सकती है, इसके लाभकारी प्रभाव अनिवार्य रूप से कम हो जाते हैं। व्यायाम, फिटनेस और उम्र बढ़ने के बीच के संबंध में अंतर्निहित सेलुलर तंत्र खराब समझे जाते हैं।डायबिटीज सेंटर के शोधकर्ताओं ने व्यायाम प्रशिक्षण द्वारा शारीरिक फिटनेस में सुधार के लिए एक सेलुलर तंत्र की भूमिका की जांच की और एक एंटी-एजिंग हस्तक्षेप की पहचान की, जो उम्र बढ़ने के साथ होने वाली गिरावट में देरी करता है। साथ में, वैज्ञानिकों के निष्कर्ष उम्र बढ़ने के दौरान मांसपेशियों के कार्य को बढ़ावा देने के लिए नई रणनीतियों का द्वार खोलते हैं।एक वरिष्ठ अन्वेषक ने कहा, ₹जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और अपक्षयी बीमारियों से बचाने के लिए व्यायाम का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, और मनुष्यों में, एक दीर्घकालिक व्यायाम आहार समग्र मृत्यु दर को कम करता है।₹ और जोसलिन में आइलेट सेल और पुनर्योजी जीव विज्ञान के अनुभाग प्रमुख। ₹हमारा डेटा उम्र बढ़ने के दौरान मांसपेशियों के कार्य को बनाए रखने के लिए व्यायाम जवाबदेही के एक आवश्यक मध्यस्थ और हस्तक्षेप के लिए एक प्रवेश बिंदु की पहचान करता है।

उत्तराखंड बोर्ड ने वर्ष 2023 के लिए परीक्षा कार्यक्रम किया जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रामनगर, 7 जनवरी। उत्तराखंड बोर्ड ने वर्ष 2023 के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड परीक्षाएं 16 मार्च से शुरू होकर 6 अप्रैल तक चलेंगी। शुक्रवार को उत्तराखंड विधालयी शिक्षा परिषद रामनगर के सभागार में माध्यमिक शिक्षा निदेशक उत्तराखंड आरके कुंवर की अध्यक्षता में परीक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में परीक्षा कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। निदेशक की अनुमति के बाद परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया।

निदेशक कुंवर ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा 17 मार्च से शुरू होंगी, जो 5 अप्रैल तक चलेगी। इसी तरह इंटर की परीक्षा 16 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल तक चलेंगी। परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्वक कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

एक से 28 फरवरी तक प्रयोगात्मक परीक्षा होंगी। परीक्षा का मूल्यांकन 15 अप्रैल से 29 अप्रैल तक होगा। इस बार हाईस्कूल में 127320 व इंटर में 132110 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

लेखपाल भर्ती परीक्षा में डीएम सोनिका की किलेबंदी, एडीएम के.के. मिश्रा ने की पारदर्शी और मज़बूत व्यवस्थाएं

डीएम सोनिका और डीआईजी दलीप सिंह कुंवर की पग पग पर पैनी नज़र

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 जनवरी। डीएम सोनिका और डीआईजी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने 8 जनवरी को जनपद के 72 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली लेखपाल भर्ती परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था एवं आदि के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्रों की 200 मीटर परिधि तक धारा 144 लागू रहेगी। जिलाधिकारी ने परीक्षा दिवस पर अधिकारियों को एलर्ट रहने के निर्देश दिए। परीक्षा को निर्वाचन ड्यूटी की तर्ज पर सम्पादित करने परीक्षा केन्द्र के आसपास लोग एकत्रित न हो इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्र में किसी भी प्रकार का गजैट/उपकरण लेकर कोई प्रवेश न करें इसके लिए एन्ट्री से पूर्व ठीक प्रकार जांच की जाए।

जिलाधिकारी ने समस्त जोनल मजिस्टेट/उप जिलाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रो में विभिन्न व्यवस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाने तथा ड्यूटी हेतु तैनात सैक्टर मजिस्टेट को परीक्षा केन्द्रों पर मोबाईल फोन इत्यादि किसी भी प्रकार के डिवाईस/उपकरण परीक्षा कक्ष में न पंहुच पाए यह सुनिश्चित कर लिया जाए। साथ ही उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं सम्बन्धित अधिकारियों को परीक्षा केन्द्रों का पूर्व में निरीक्षण कर व्यवस्था देखने तथा परीक्षा दिवस पर प्रोटोकॉल पालन करवाने के निर्देश दिए। डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उप जिलाधिकारियों एवं पुलिस क्षेत्राधिकारियों को आपसी समन्वय करते हुए व्यवस्थाएं बनाने तथा परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की दूरी तक सुरक्षा के लिहाज से कोई भी व्यक्ति एकत्रित न हो इसका ध्यान रखे। उन्होनें चैकसी बनाए रखने को कहा।

कलेक्टेट परिसर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरूणा अग्रवाल, अपर नगर मजिस्टेªट मायादत्त जोशी, जिला कमाण्डेट होमगार्ड राहुल सचान, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आरसी तिवारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी एवं सैक्टर अधिकारी उपस्थित रहे तथा समस्त उप जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

इसके उपरान्त नोडल अधिकारी परीक्षा/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा ने आईटीडीए परिसर सर्वे चैक में ड्यूटी हेतु नामित सैक्टर मजिस्टेट को परीक्षा के दौरान की जाने वाली कार्यवाही एवं अधिकारियों के दायित्वों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान सैक्टर अधिकारी एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल द्रविड़ ने T20 में विराट कोहली रोहित शर्मा के लिए दिए स्पष्ट संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को छोड़कर किसी का भी नाम नहीं लिया, लेकिन वह काफी स्पष्ट थे कि भारत ने अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 में आगे बढ़ने का फैसला किया है।भारत के टी 20 विश्व कप के सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली के सबसे छोटे प्रारूप से बाहर होने की बातें पहले से ही थीं। जब दोनों दिग्गजों का नाम नहीं लिया गया तो उन्हें हवा मिली - रोहित चोटिल थे - तीन मैचों की श्रृंखला के लिए भारत टी20ई टीम में और अब मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 2024 में अगले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए एक युवा टीम बनाने के मजबूत संकेत दिए हैं। मन। द्रविड़ ने रोहित और कोहली को छोड़कर किसी का भी नाम नहीं लिया लेकिन वह काफी स्पष्ट थे कि भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में आगे देखने का फैसला किया है। भारत के पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि 50 ओवरों के विश्व कप को देखते हुए सीनियर्स का ज्यादा ध्यान अब एकदिवसीय प्रारूप में होगा, जो इस साल के अंत में घर पर होगा।

₹हमारे लिए, जाहिर है, पिछले सेमीफाइनल (टी 20 विश्व कप में) से जो हमने इंग्लैंड के खिलाफ खेला था, केवल 3-4 लड़के XI (श्रीलंका के खिलाफ) में खेल रहे हैं। हम देखने के एक अलग चरण में हैं। टी20 के अगले चक्र में, इसलिए हमारी थोड़ी युवा टीम है और हमारे लिए श्रीलंका की गुणवत्ता के खिलाफ खेलना एक शानदार अनुभव है। अच्छी बात यह है कि एकदिवसीय विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए टी-20 हमें इन लोगों को आजमाने का मौका देता है,₹ द्रविड़ ने पुणे में दूसरे टी-20 में भारत के श्रीलंका से हारने के बाद संवाददाताओं से कहा।भारत के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर, द्रविड़ ने कहा कि टीम प्रबंधन, प्रशंसकों और अन्य सभी को इस युवा टीम के साथ धैर्य रखना होगा क्योंकि उनके पास एक ऑफ डे होने की संभावना है जैसे कि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में 16 से मैच गंवा दिया था।